गुरु तेग बहादुर के जीवन की महत्वपूर्ण घटना पर नाटक

धर्म के रक्षक

* पात्र :-)

1.) गुरु (तेग बहादुर जी)
2.) बादशाह (औरंगज़ेब)
3.) अधिकारीगण
4.) सिपाही
5.) गुरु (बालक गोबिन्द राय जी)
6.) मुखिया पंडित (कृपा राम जी)
7.) मर्दाना
8.) हाकिम इफ्तिखार खान।

TODAY Designer Sheet

सन् 1658 का समय भारत पर औरंगज़ेब का शासन स्थापित हो चुका है। हिन्दू धर्म को मिटा कर इस्लाम का प्रचार करने लगा। बादशाह औरंगज़ेब का दरबार सजा है। उनके सम्मुख सभी अधिकारी खड़े हैं।

पर्दा उठता है।

(दृश्य - 1.)

औरंगज़ेब :- हिन्दुस्तान में अब चारों ओर इस्लाम का प्रचार होना चाहिए इन हिन्दुओं के माथे से तिलक मिटाया जाए और उन्हे इस्लाम कुबूल कराया जाए।

अधिकारी :- (सिर झुकाते हुए) जी हुजूर! हम सभी आपके हुक्म की पालना करने में लगे हुए ही हैं। अब तक हमने कई हिन्दुओ को इस्लाम कुबूल करवा चुके हैं। अब हिन्दू समाज में खलबली मची हुई है।

(दृश्य - 2)

पाँच सौ कश्मीरी पंडितो का जत्था अमरनाथ गुफा में पूजा - अर्चना करने के बाद अंतिम निर्णय लेता है। कि चाहे कुछ भी हो जाये वह अपना धर्म बिलकुल नहीं

और इस कार्य में गुरू तेग तेग बहादुर जी ही हमारी सहायता कर सकते हैं। वे निर्णय लेते हैं कि वह गुरू तेग बहादुर जी से मिलने के लिए आनंदपुर साहिब जाएगें। गुरू जी के सामने पहुँचकर मुख्या निवेदन कर रहे हैं।

मुख्या पंडित किरपा राम जी :- दीनबंधु गुरू तेग बहादुर जी! आप हमें बादशाह औरंगजेब के जुलम से बचाओ उन्होंने हुक्म दिया है कि हिंदुओं को मुसलमान बनाया जाए।

गुरू तेग बहादुर जी :- पंडित जी आप सही कह रहे हैं हमें इस्लाम के खिलाफ नहीं है। किंतु हम यह मान नहीं सकते की किसी से भी जबरदस्ती इस्लाम कुबूल ~~नहीं~~ करवाया जाए।

बालक :- पिता जी आप ही नहीं मैं भी इस लड़ाई में कुर्बानी देने के लिए पुरी तरह तैयार हूँ।

गुरू तेग बहादुर जी :- (पंडितो को सम्बोधित करते हुए) जाओ, अपने इलाके के हाकिम ए इफ्तीखार खान से कहो कि वह पहले गुरू तेग बहादुर को इस्लाम कुबूल करने के लिए मनाये, फिर हम सब

Sarvodaya Kanya Vidyalaya
Plot No.5, Block, Jahangirpuri
Delhi-110 033

इस्लाम कुबूल कर लेंगे।

कश्मीरी पंडितो का जत्था :- (गुरु जी के समक्ष सर झुकाए) ठीक है गुरु जी। आपकी बातो से हम सभी को बहुत आशा बंधी है। आपने अब हमारी सहायता कि बात कहकर हमारे अब और अधिक हौसले बढ़ा दिये। अब हम चैन से वापस जा सकते है। (प्रणाम कहकर, सर झुकाये वहां से चले जाते है)

(दृश्य - 3)

औरंगज़ेब के दरबार में औरंगज़ेब के समक्ष हाकिम इफतिखार खान पंडितो को धमका रहा है और उन्हे मुसलमान बनने के लिए मजबूर कर रहा है पंडितो के मुखिया हाकिम से बहस कर रहे है।

पंडित जी :- (इफतिखार से गुस्से से बोलते हुये) हम हम सब मुसलमान बन जायेंगे परन्तु पहले हमारे गुरू, तेग बहादुर जी को इस्लाम कुबूल करने के लिए मना लीजिए।

औरंगज़ेब :- अब हमारा काम आसान हो जायेगा क्योंकि एक व्यक्ति के इस्लाम कुबूल कर लेगा तो सभी मुसलमान बन जायेंगे मैं हुकम देता हूँ (सिपाहियो को देखते हुये) गुरु तेग बहादुर को गिरफ्तार करके फौरन ~~ला~~ दिल्ली लाया जाये। गिरफ्तार करने वाले को इनाम प्राप्त होगा।

Topic Date 5

गुरू जी स्वयं ही आगार से दिल्ली कि ओर चल देते है। उन्हे स्वयं कि गिरफ्तारी पर रखे इनाम कि सूचना भी मिल चुकी है। इसलिए वह आगरा के रास्ते से जा रहे है ताकि उनके जानकर चरवाहे को इनाम कि राशि मिल सके। उनके आगरा मे होने कि सुचना औरंगजेब को मिल जाती है।
वहाँ 1000 से अधिक सिपाहियो की फौज लेकर आगरा पहुँच गए।

काजी : (गुस्से से) आपको इस्लाम धर्म कुबूल करना होगा इसके बदले आप जो चाहे आपको मिलेगा नही तो आपको आपकी जिंदगी त्याग देनी होगी।

गुरू तेग बहादुर : (मध्य मे काज़ी बात काटते हुए) हम तो कुर्बानी के लिए पहले से ही तैयार बैठे है ले चालिए जहाँ चलना है (यह कहकर वह राज़ी हो गये)

(दृश्य - 4)

गुरू जी के शिष्यों को एक - एक करके मारा जाने लगा शिष्य मतीदास को लक लकड़ी के घेरे में बाँधकर एक बडे आरे से चिरवा दिया गया। दयाला जी को पकड़कर उबलती हुई पानी की देग में डाल दिया गया, दोनो निडरता से शहीद हो गए तथा औरंगजेब उन्हे डराना आ

TODAY
Designer Sheet

जाता है।

औरंगज़ेब :- आपको इस्लाम धर्म कुबूल करना होगा।

गुरू तेग बहादुर :- ऐसा कभी नहीं होगा।

औरंगज़ेब :- आपको मेरी कोई एक शर्त स्वीकार करनी ही होगी आप कोई करामत करके दिखे। इस्लाम कुबूल करे या मृत्यु स्वीकार करे।

गुरू जी :- बोले कुदरत के नियम से कुर्बानी देने को तैयार है।

औरंगज़ेब :- आपकी अगर यही इच्छा है तो आपकी मृत्यु के बाद ही मेरा स्वप्न पूरा होगा

(सैनिको को हुक्म देते हुऐ)

इन्हे चाँदनी चौक ले जाया जाऐ तथा लोगो के सामने काट दिया जाऐ।

(जनता बड़ी मात्रा में चाँदनी चौक पर एकत्रित हो चुकी थी तथा गुरू तेग बहादुर को प्राण त्यागता देख जनता में खलबली मच गई।

पर्दा गिरता है।

(समाप्त)

TODAY
Designer Sheet